देखे री हरी नंगमनंगा

देखे री हरि नंगमनंगा ..-2

जलसूत भूषन अंग विराजत,
बसन हीन छवि उठत तरंगा।
देखे री हरि नंगमनंगा...2

अंग अंग प्रति अमित माधुरी,
निरखि लजित रति कोटि अनंगा।
देखे री हरि नंगमनंगा...-2

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22766/title/dekhe-ri-hari-nangamnanga

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |